वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एम.ए उत्तरार्द्ध परीक्षा

एमएएचडी-05

नाटक और कथेतर गद्य विधाएँ

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक 80**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड - अ

नोट : इस खण्ड में 8 प्रश्न सम्मिलित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है। अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द है। 8×2 = 16

प्रश्न 1 'नाटक को परिभाषित कीजिए ?

प्रश्न 2 'अरूण यह मधुमय देश हमारा
जहा पहुँच अनजान। क्षितिज को मिलता एक सहारा
उपर्युक्त पंक्तियाँ किस नाटककार द्वारा रचित और कौन से नाटक से अवतरित है।

प्रश्न 3 नाटक और रंगमंच के अंत: संबंध की स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4 'अंधायुग में किस प्रख्यात कथा का उल्लेख किया गया है?

प्रश्न 5 'नदी प्यासी थी एकांकी के रचनाकर का नाम बताइये ?

प्रश्न 6 मोहन राकेश के किन्ही तीन नाटको के नाम लिखिये?

प्रश्न 7 निबन्ध के प्रमुख तत्वों का उल्लेख कीजिए ?

प्रश्न 8 आत्मकथा और जीवनी के अन्तर को स्पष्ट कीजिए ?

प्रश्न 9 नाटक की परिभाषा अपने शब्दों में लिखिये

प्रश्न 10 हिमाद्रि तुंग श्रृंग से, प्रबुद्ध शुद्ध भारती स्वंय प्रभा समुज्जवला, स्वतन्त्रता पुकारती प्रस्तुत पंकितया किस के द्वारा रचित और किस नाटक से उद्धृत है।

प्रश्न 11 मोहन राकेश द्वारा रचित किन्हीं तीन नाटकों के नाम लिखिये।

प्रश्न 12 नाटक और रंगमंच में निहित अन्तर्सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 13 प्रतापनारायण मिश्र के निबन्धों की विशेषताएँ बताइये।

प्रश्न 14 फीचर एवं डायरी विधा को परिभाषित कीजिए।

प्रश्न 15 पं रामचन्द्र शुक्ल के निबन्ध संग्रह का नाम बताइये।

प्रश्न 16 डां विद्यानिवास मिश्र द्वारा रचित ललित निबन्ध का शीर्षक बताइये।

प्रश्न 17 नाटक के विभिन्न तत्वों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 18 हिन्दी के किन्हीं चार गीति नाट्यों के नाम और उनके रचयिताओं के नाम लिखिये।

प्रश्न 19 प्रसाद का नाट्यकला की प्रमुख विशेषताओं का उदघाटन कीजिए?

प्रश्न 20 जाने किसकी लोथों पर जा उतरेगा यह नर भक्षी गिद्धों का भूखा बादल पुस्तक में पंक्तियाँ किस कवि द्वारा रचित और किस से उदघृत है।

प्रश्न 21 अंधायुग के कथानक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 22 किन्ही चार निबन्धकारों के नाम बताइये।

प्रश्न 23 हिन्दी में पहला रिपोर्ताज किसके द्वारा और कौन सा लिखा गया।

प्रश्न 24 निर्मल वर्मा की चित्रात्मक भाषा को उदाहरण देकर समझाइये।

प्रश्न 25 भीतर-भीतर सब रस चूसे,
हँसि हँसि के तन-मन-धन मूसे
जाहिर बातिन में अति तेज
क्यों सखि साजन, नहीं अंगरेज
प्रस्तुत पंकितयाँ किसके द्वारा रचित और किस विधा से संबंधित है।

प्रश्न 26 नाटक और नृत्य के अन्तर को स्पष्ट कीजिए?

प्रश्न 27 प्रसाद के किन्हीं चार नाटको के नाम बताइये।

प्रश्न 28 अंधायुग की रंगमंचीयता पर विचार कीजिए।

प्रश्न 29 गीति नाट्य के अभिप्राय और उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 30 शुक्ल युग के किन्ही चार निबन्धकारों के नाम लिखिए?

प्रश्न 31 हिन्दी गध की किन्हीं चार गध विधाओं का उल्लेख कीजिए?

प्रश्न 32 'एक दुराशा निबन्ध की भाषा-शैली पर विचार कीजिए।

प्रश्न 33 नाटक की परिभाषा अपने शब्दों में लिखिये।

प्रश्न 34 'उर्वशी गीतिनाटय किसके द्वारा रचित है और इसमें किसकी कथा वर्णित है।

प्रश्न 35 प्रसाद का 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक किस प्रकार का नाटक है।

प्रश्न 36 'अटठारह दिनों के इस भीषण संग्राम में कोई नहीं केवल में ही मरा हूँ करोडों बार ये पंक्तियाँ किसके द्वारा रचित है और किस पुस्तक से उद्धत हैं।

प्रश्न 37 'अंधायुग के आधुनिक युगबोध की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 38 निबन्ध का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप का परिचय दीजिए।

प्रश्न 39 फीचर और डायरी विधा को समझाते हुए उनकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 40 'एक दुराशा निबन्ध का प्रतिपाद्य बताइये।

प्रश्न 41 नाटक के विभिन्न तत्वो पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 42 प्रसाद के प्रारम्भिक काल के किन्हीं चार नाटकों के नाम लिखिए।

प्रश्न 43 अरूण यह मधुमय देश हमारा
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा
प्रस्तुत पंक्तियाँ किसके द्वारा रचित और किस पुस्तक से उद्धत है।

प्रश्न 44 प्रसाद की नाटयकला की प्रमुख विशेषताओं का उदघाटन कीजिए।

प्रश्न 45 'अंधायुग की स्त्री पात्र 'गांधारी के चरित्र की विशेषताएँ बताइये।

प्रश्न 46 गीतिनाटय का अभिप्राय और उसके स्वरूप् पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 47 'आधे-अधूरे नाटक का मूल प्रतिपाद्य क्या है ?

प्रश्न 48 द्विवेदी युग के किन्हीं चार निबन्धकारों के नाम बताइये।

प्रश्न 49 नाटक के विभिन्न तत्वों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 50 हिन्दी के चार प्रमुख गीति नाटयों के नाम लिखिये।

प्रश्न 51 अमत्य वीर पुत्र हो दृढ़ प्रतिज्ञ सोच लो,
प्रशस्त पुण्य पंथ है- बढे चलो, बढे चलो

प्रस्तुत पंक्तियाँ किसके द्वारा रचित और किस पुस्तक से उद्धत है।

प्रश्न 52 'संगमरमर पर एक रात एकांकी के रचनाकार का नाम बताइये।

प्रश्न 53 'अंधायुग के स्त्री पात्र गांधारी के चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 54 डा. नगेन्द्र के निबन्धों की विशेषताएं बताइये।

प्रश्न 55 आत्मकथा को परिभाषित करते हुए प्रमुख आत्मकथाओं का परिचय दीजिये।

प्रश्न 56 आवारा मसीहा (जीवनी) किसके द्वारा लिखी गई है और किसके जीवन चरित्र पर आधारित है।

प्रश्न 57 नाटक और नृत्य की विशेषताएँ बताइये।

प्रश्न 58 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा लिखे गये किन्हीं चार नाटकों के नाम लिखिये।

प्रश्न 59 प्रसाद के प्रौढ रचनाकार के किन्हीं दो नाटकों के नाम बताइये।

प्रश्न 60 'अंधा-युग में किस प्रख्यात कथा का उल्लेख मिलता है।

प्रश्न 61 'नीली झील एकांकी के रचनाकार का नाम बताइये।

प्रश्न 62 यह कथा उन्हीं अंधों की है
या कथा ज्योति की है अंधो के माध्यम से
प्रस्तुत पंकितयाँ किसके द्वारा रचित और किस पुस्तक से उद्धत है।

प्रश्न 63 'निबन्ध के विभिन्न तत्वों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 64 मोहन राकेश के किन्हीं तीन नाटको के नाम लिखिये।

प्रश्न 65 नाटक कर परिभाषा अपने शब्दों में लिखिये।

प्रश्न 66 प्रसाद के नाटयकला की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 67 धर्मवीर भारती द्वारा रचित किन्हीं चार एकांकी के नाम लिखिये।

प्रश्न 68 टुकडे-टुकडे हो बिखर चुकी मर्यादा
उसकी दोनों ही पक्षों ने तोडा है।
प्रस्तुत पंक्तियाँ किसके द्वारा रचित और किस पुस्तक से उद्धत है।

प्रश्न 69 सृष्टि का आखिरी आदमी एकांकी के रचनाकार का नाम बताइये।

प्रश्न 70 व्यंग्य विधा की प्रमुख चार रचनाओं के नाम लिखिये।

प्रश्न 71 आत्मकथा और जीवनी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 72 जैसे किसी समय की अच्छी बंदूक आप न जाने क्यों फुस करके रह गयी। क्यों ?

उत्तर-तालिका, खण्ड अ

प्रश्न 2 जय शंकर प्रसाद वृत 'चन्द्रगुप्त नाटक से

प्रश्न 4 अंधायुग में महाभारत के अठारवें दिन की संध्या से लेकर प्रभासतीर्थ में कृष्ण की मृत्यु के क्षण तक की प्रख्यात कथा अंकित का गई है।

प्रश्न 5 धर्मवीर भारती

प्रश्न 6 'आषाढ़ का एक दिन, लहरों के राजहंस, आधे अधूरे

प्रश्न 7 संक्षिप्त गद्य रचना, स्वत: पूर्ण गद्य रचना, व्यक्तित्व की अभिव्यंजना, हृदय और बुद्धि का समन्वय क्रम व्यवस्था और शैली

प्रश्न 9 चन्दुगुप्त नाटक से जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित है।

प्रश्न 11 लहरों के राजहंस, आधे-अधूरे, आषाढ़ का एक दिन।

प्रश्न 15 चिन्तामणि

प्रश्न 16 मेरे राम का मुकुट भीग रहा हैं

प्रश्न 17 नाटक के विभिन्न तत्व
कथावस्तु, चरित्र-चित्रण, पात्र योजना, उद्देश्य संवाद, भाषा-शैली देशकाल और वातावरण

प्रश्न 18 अंधायुग (धर्मवीर भारती)
एक कंठ विषपायी (दुष्यन्त कुमार)
स्वर्ण विहान (हरिकृष्ण प्रेमी)
उर्वशी (रामधारी सिंह दिनकर)

प्रश्न 19 ऐतिहासिकता, कल्पना का योग, संस्कृति प्रेम, देश-प्रेम, काव्यात्मकता, मनोविज्ञान तथा दार्शनिकता, देशकाल, भाषा-शैली, अभिनेयता, समन्वय भावना

प्रश्न 20 प्रस्तुत पंक्तियाँ धर्मवीर भारती द्वारा रचित 'अंधा युग से उद्धत है।

प्रश्न 21 प्रख्यात कथानक और समसामयिकता, चरित्रों की प्रतिकात्मकता, मानव मनोभावों की अभिव्यंजना द्वन्द्व और आत्मसंघर्ष, कथोपकथनों की स्वाभाविकता और नाटकीयता, अभिनेयता शिल्प का आकर्षक प्रयोग

प्रश्न 22 प्रतापनारायण मिश्र, हजारी प्रसाद द्विवेदी, अज्ञेय, नगेन्द्र

प्रश्न 23 रांगेय राघव का 'तूफानों के बीच

प्रश्न 25 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा रचित व्यंग्य विधा

प्रश्न 27 चन्द्रगुप्त, स्कन्दगुप्त, जनमेजय का नागयज्ञ ध्रुवस्वामिनी अजातशत्रु

प्रश्न 30 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, बाबू गुलाबराय, जयशंकर प्रसाद, माखनलाल चतुर्वेदी

प्रश्न 31 संस्मरण, व्यंग्य जीवनी, आत्मकथा

प्रश्न 34 रामधारी सिंह दिनकर , उर्वशी और पुरुरवा

प्रश्न 35 समस्या नाटक

प्रश्न 36 धर्मवीर भारती द्वारा रचित 'अंधायुग से

प्रश्न 41 कथावस्तु, संवाद, पात्रयोजना, देशकाल वातावरण, भाषाशैली, उद्देश्य

प्रश्न 42 सज्जन, प्रायश्चित, कल्याणी-परिणय, करूणालय

प्रश्न 43 जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित 'चन्द्रगुप्त नाटक से

प्रश्न 48 पं. महावीर प्रसाद द्विवेदी, पं. गोविन्द नारायण मिश्र, बालमुकुन्द गुप्त, बाबू श्यामसुन्दर दास

प्रश्न 50 अनध (मैथिलीशरण गुप्त), अंधा युग (धर्मवीर भारती) एक कंठ विषपापी (दुष्यन्त कुमार), स्वर्ण विहान (हरिकृष्ण प्रेमी) उर्वशी (रामधारी सिंह दिनकर)

प्रश्न 51 जयशंकर प्रसाद कृत 'चन्द्रगुप्त नाटक से

प्रश्न 52 धर्मवीर भारती

प्रश्न 56 विष्णु प्रभाकर द्वारा शरत के जीवन पर

प्रश्न 58 सत्य हरिश्चन्द्र, वैदिक हिंसा हींसन भवति, नीलदेवी, भारत दुर्दशा, भारत जननी, अंधेर नंगरी।

प्रश्न 59 स्कन्दगुप्त, चन्द्रगुप्त ध्रुवस्वामिनी

प्रश्न 60 महाभारत के अठारहवें दिन की संध्या से लेकर प्रभाततीर्थ में कृष्ण की मृत्यु के क्षत तक की प्रख्यात कथा अंकित की गई है।

प्रश्न 61 धर्मवीर भारती

प्रश्न 62 धर्मवीर भारती कृत अंधायुग

प्रश्न 63 संक्षिप्त गद्य रचना, स्वत: पूर्ण गद्य रचना, व्यक्तित्व की अभिव्यंजा हृदय और बुद्धि का समन्वय, क्रम व्यवस्था, शैली

प्रश्न 64 आषाढका एक दिन, लहरों के राजहंस, आधे-अधुरे

प्रश्न 67 नदी प्यासी थी, नीली झील, आवाज का नीलाम, संगमरमर पर एक रात

प्रश्न 68 धर्मवीर भारती के अंधायुग से

प्रश्न 69 धर्मवीर भारती

प्रश्न 72 ठिठुरता हुआ गणतंत्र, बेईमानी की परत, बालती रेखाएँ भारी कहे कुम्हार से